वे अनेक महान व्यक्तियों से मिलीं। वे रवींद्रनाथ टैगोर तथा पं० जवाहर लाल नेहरू से बहुत प्रभावित हुईं।

हेलेन एक स्वावलंबी महिला थीं। उन्हें अपने लगभग सभी कार्य स्वयं ही करना पसंद था। हिम्मत और हौसले की अद्‌भुत मिसाल थीं–हेलेन केलर। एक बार उन्होंने कहा था, "विश्वास ही वह शक्ति है, जिसकी बदौलत ध्वस्त हुआ मन भी सुख की रोशनी में आबाद हो सकता है।"

पा 6-6

अभ्यास

शब्दार्थ–

विषम	कठिन	बदौलत	के कारण
इच्छाशक्ति	किसी काम को मन के अनुकूल करने की शक्ति	संबल	सहारा
		अपंगता	विकलांगता
परास्त करना	हराना	अनूठी	अद्‌भुत
दृष्टिहीन	जो देख नहीं सकता	बधिर	जो सुन नहीं सकता
क्षीण	कमज़ोर	अनुरोध	आग्रह, निवेदन
भ्रमण	घूमना	स्वावलंबी	आत्मनिर्भर
		ध्वस्त	बरबाद, नष्ट

2. f

पाठ को समझें

1. सही शब्द पर ✓ का निशान लगाओ–

क. हेलेन की पहली गुरु कौन थीं?

सुलिवन ☐ रवींद्रनाथ टैगोर ☐

उनकी माँ ☑

ख. हेलेन केलर ने किस लिपि में अनुवाद किया?

रोमन लिपि ☐ ब्रेल लिपि ☑

देवनागरी लिपि ☐

Scanned with CamScanner

ग. हेलेन की माँ ने समाचार पत्र में किस संस्था के बारे में पढ़ा?

बाल गृह ☐ सुधार गृह ☐

परकिन्स ☑

घ. हेलेन केलर ने कितनी बार विश्व भ्रमण किया?

चार बार ☐ छह बार ☑

तीन बार ☐

ङ. हेलेन केलर को किसका शौक था?

पर्यटन का ☐ घुड़सवारी का ☑

भाषण देने का ☐

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

मौखिक–

क. हेलेन केलर के माता-पिता का क्या नाम था?

ख. हेलेन के पिता क्या करते थे?

ग. हेलेन केलर का जन्म कब हुआ?

घ. जन्म के समय हेलेन कैसी बच्ची थी?

ङ. बुखार ने बच्ची को क्या बना दिया?

लिखित–

क. शारीरिक अपंगता को कैसे परास्त किया जा सकता है?

ख. हेलेन केलर ने चाय पार्टी में लोगों को क्या समझाया?

ग. हेलेन के बचपन के सबसे कठिन दिन कौन-से थे?

घ. एनी सुलिवन ने हेलेन को कैसे प्रशिक्षित किया?

ङ. हेलेन के किन शब्दों से पता चलता है कि वे हार न मानने वाली महिला थी

च. दृढ़निश्चयी व स्वावलंबी होना क्यों ज़रूरी है?

छ. कुछ लोग अन्य लोगों के लिए आदर्श कैसे बन जाते हैं?

Scanned with CamScanner

भाषा को समझें

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का क्रिया से संबंध बताने वाले शब्दों को **कारक** कहते हैं। कारक को जिन चिह्नों के द्वारा प्रकट किया जाता है, उन्हें **परसर्ग** कहते हैं। जैसे– ने, को, से, के लिए, से, का, के, की, में, पर, हे, अरे आदि।

सही परसर्ग भरकर वाक्यों को पूरा करो–

क. हेलेन परिस्थितियों ····से···· हार नहीं मानती थीं।

ख. हेलेन ····ने···· चायपार्टी ····का···· आयोजन किया।

ग. एनी ····ने···· हेलेन ····को···· प्रशिक्षित किया।

घ. ध्वस्त संसार सुख ····को···· रोशनी ····में···· आबाद हो सकता है।

ङ. हेलेन ····को···· संरक्षिका ऐनी सुलिवन बनीं।

च. उन्होंने अपनी कमज़ोरियों ····पर···· विजय प्राप्त की।

का
की
के लिए
पर
में
को
ने
से

उदाहरणानुसार 'र' के रूप वाले तीन अन्य शब्द लिखो–

र	नज़र	बधिर	····नहर····	····शहर····	····शरीर····
र्ष	वर्ष	धैर्य	····धर्म····	····कर्म····	····मर्म····
र्क	प्रतिक्रिया	प्रेम	····प्रकाश····	····प्रतीक····	····प्राणी····
र्क	ट्रक	ड्रम	····मेट्रो····	····ट्रैक्टर····	····

शब्दांश किसी शब्द के अंत में लगकर उसमें परिवर्तन या विशेषता उत्पन्न ते हैं, उन्हें **प्रत्यय** कहते हैं। जैसे– क्रोध (शब्द) + ई (प्रत्यय) = क्रोधी।

Scanned with CamScanner

प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाओ–

लिख	+ आवट	= लिखावट		गुण	+ वती	= गुणवती
स्त्री	+ त्व	= स्त्रीत्व		बुद्धि	+ मान	= बुद्धिमान
कहानी	+ कार	= कहानीकार		लेख	+ अक	= लेखक
मूल	+ इक	= मौलिक		पढ़	+ आकू	= पढ़ाकू

निम्नलिखित शब्दों में संज्ञा का कौन-सा भेद है?

		व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
हेलेन, अमेरिका	–	✓	☐	☐
व्याकुलता, उलझन	–	☐	☐	✓
अखबार, गुरु	–	☐	✓	☐
कैथरीन, एनी	–	✓	☐	☐
मातृत्व, अहंकार	–	☐	☐	✓

से अध्यापक/अध्यापिका/सी० डी० द्वारा बोले गए वाक्य सुनक
(ँ) या (ँ) के शब्द लिखो–

1. ..... 2. ..... 3. ..... 4. .....

ो अगर हेलेन केलर को गुरु के रूप में एनी सुलिवन न मिल
तो क्या होता?

Scanned with CamScanner

(मौखिक) पाठ-6 (हेलेन केलर)

उ० क० हेलेन केलर के पिता का नाम कैप्टन आर्थर घा व उनकी माता का नाम कैथरीन एडम्स केलर था।

उ० ख० हेलेन के पिता एक साप्ताहिक अखबार के संपादक थे।

उ० ग० हेलेन केलर का जन्म 27 जून, 1880 को अमेरिका में तस्कंबिया नामक छोटे-से कस्बे में हुआ।

उ० घ० जन्म के समय हेलेन केलर एक स्वस्थ बच्ची थी।

उ० ङ० बुखार ने बच्ची को दृष्टिहीन तथा बधिर बना दिया था।

(लिखित)

उ० क० शारीरिक अपंगता को दृढ़ इच्छाशक्ति, मजबूत इरादे व आत्मविश्वास से परास्त किया जा सकता है।

उ० ख० चाय पार्टी में हेलेन केलर ने वहाँ उपस्थित लोगों को विकलांग मनुष्यों की मदद करने के बारे में समझाया।

उ० ग० हेलेन के बचपन के दिन सबसे कठिन थे। उसकी स्थिति में सुधार की आशा दिनोंदिन क्षीण हो रही थी।

उ० घ० एनी सुलिवन ने कई-कई घंटों की मेहनत के बाद हेलेन को वर्णमाला याद कराई। उनके अथक प्रयासों से हेलेन ने कई भाषाओं का ज्ञान प्राप्त किया व अनेक महान दार्शनिकों व साहित्यकारों के बारे में पढ़ा।

उ० ङ० हेलेन ने एक बार कहा कि यदि हमने एक बार दिन देखा है तो फिर चाहे जैसे भी दिन आएँ, दिन तो हमारे हो हैं। उनके इन शब्दों से पता चलता है कि वे हार न मानने वाली महिला थीं।

उ० च० दृढ़निश्चयी व स्वावलंबी होना इसलिए ज़रूरी है क्योंकि इन गुणों से हम बड़ी से बड़ी समस्या से निकल सकते हैं।

Scanned with CamScanner

6. कुछ लोग दृढ़ निश्चय से अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त करते हैं और अन्य लोगों के लिए आदर्श बन जाते हैं।

Scanned with CamScanner